विभिन्न धर्म अलग-अलग दर्शन का प्रचार करते हैं। बहुत से लोग सोचते हैं कि इसका मतलब यह हो सकता है कि प्रत्येक धर्म अलग-अलग नियमों द्वारा शासित है।
हालांकि, यह एक असंभव बात है। चूँकि सर्वोच्च शक्ति केवल एक है, वो सभी को समान रूप से नियंत्रित करती हैं।
भौतिक नियमों या आवश्यकताओं को देखें जो सभी को एक सी नियंत्रित करती हैं । जैसे हर एक को खाने की जरूरत है। आंखें सभी के लिए समान कार्य करती हैं। कान सभी के लिए समान कार्य करते हैं। क्या ऐसा है कि हिंदू नाक से, मुसलमान कान से और इसाई जीभ से देखते हैं?आपका विश्वास, आपकी जाति, आपका धर्म कोई मायने नहीं रखता।
यह देखो। एक व्यक्ति अपने दोस्त से मिलने जाता है। वह अपने दोस्त को भरोसेमंद महसूस करता है और उस पर पूरा विश्वास करता है।
www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 9423209132
यह दोस्त उसे खाने के लिए बुलाता है। खाना वो है परोसता है जो उसे पसंद है। इस दोस्त का उल्टा मकसद है और खाने में ज़हर मिला कर उसे खिलाया जाता है। परिणाम मृत्यु है। व्यक्ति का भरोसा काम नहीं आया। नियमों के अनुसार परिणाम मिला। क्या किसी व्यक्ति की पृष्ठभूमि जैसे धर्म, राष्ट्रीयता, रंग आदि के आधार पर परिणाम में कोई अंतर आयेगा? नही।
इस प्रकार विभिन्न धर्मों के लोगों पर शासन करने वाले आध्यात्मिक नियमों का अलग अलग होना संभव नहीं है। आध्यात्मिक नियम सभी धर्मों के लिए समान हैं।
धर्म एक डॉक्टर की तरह है। इससे ज्यादा कुछ नहीं। यदि आपको गलत दवाइयाँ मिलती हैं तो आप कभी ठीक नहीं हो सकते।
धर्म में आपकी आस्था मायने नहीं रखती।आप सही ज्ञान प्राप्त करते हैं या नहीं ये मायना रखता है।धर्म के नाम पर किसी को मारना आपको नरक में ले जाएगा। आप सोच सकते हैं कि आप स्वर्ग जाएंगे। लेकिन आप पाएंगे कि आपका उपदेशक और आप दोनों मिलकर नरक में पीड़ा से पीड़ित हैं। धर्म के नाम पर पाप कहीं अधिक खतरनाक हैं।
एकमात्र नियम जो सभी को नियंत्रित करता है, 'आप अपने कर्मों के फल भोगते हैं और वो फल आपको सर्वशक्तिमान ईश्वर देता है'। सही कर्म ही आपके सुख की कुंजी है। इसलिए कर्म

करते समय सावधान रहो। गलत कर्म तो होने ही मत दो भले ही प्राण जा रहे हो। प्राण तो एक दिन जायेंगे ही लेकिन सही कर्म आपका अगला जन्म सुखी करेगा और गलत कर्म दुःखी।
आप उस भगवान को धोखा नहीं दे सकते। आप तथ्यों को तोड़-मरोड़ नहीं सकते। उसे कोई गवाह नहीं चाहिए। वह तुम्हारे दिल में वहीं रहता है। अपने षड्यंत्रों और पाखंडों पर ध्यान देना। वह आपके सभी उद्देश्यों को जानता है।

मन, बुद्धि, आत्मा और भगवान का सही ज्ञान प्राप्त करना बेहतर है। आज समझे अभी समझे। तत्व का ग्यान पाने में विलंब ना करे। जो मिला है उसको बार बार पढ़े, सुने। रिविजन नही की तो संसार में आसक्त हो जाओगे। मृत्यु पर मानव रूप खो जाता है। फिर कोई ग्यान पाने की गुंजाइश नहीं। केवल पछताना शेष रह जाता है।
इसलिए शास्त्र कहते है - उठो, जागो। इसी जन्म में भगवान को प्राप्त करो। वरना महान हानि हो जायेगी।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 9423209132